(3) मगही में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम. ए.) (MASTER OF ARTS IN MAGAHI): (एम.ए. मगही की पाठ्य संरचना एवं संक्षिप्त सिलेबस)

उद्देश्य : मगही, मागधी का आधुनिक स्वरूप है, जो कभी प्राचीन मगध साम्राज्य की राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा के रूप में प्रचलित थी । मगध की सभ्यता और संस्कृति की वाहिका के रूप में इस भाषा का महत्वपूर्ण स्थान सुरक्षित रहा है । नालंदा खुला विश्वविद्यालय ने न केवल इस गौरवमयी मगध भूमि और इसकी भाषा का सम्मान करने का निश्चय किया है, अपितु वर्तमान कालीन साढ़े तीन करोड़ के आस-पास मगही भाषा-भाषियों की आशा, आकांक्षा आदि पर भी खरा उतरने के सफल प्रयास के लिये मगही भाषा में एम.ए. पाठ्यक्रम की पढ़ाई प्रारंभ की है ।**इस पाठ्यक्रम में नामांकन के लिये न्यूनतम योग्यता स्नातक है**।

पाठ्यक्रम संरचना एवं परीक्षा नियमावली : मगही में एम.ए. पाठ्यक्रम में कुल 16 पत्र होंगे (प्रथम वर्ष में कुल 8 पत्र एवं द्वितीय वर्ष में कुल 8 पत्र)। प्रत्येक पत्र 100 अंकों का होगा और प्रत्येक पत्र की परीक्षा अवधि तीन घंटे की होगी । सभी सैद्धान्तिक पत्रों में 80 अंकों के लिये तीन घंटों की परीक्षा होगी एवं 20 अंकों का सत्रीय कार्य जमा करना होगा ।

परीक्षा नियमों के अनुसार प्रत्येक पत्र में उत्तीर्ण होना आवश्यक है । उसके बाद ही विद्यार्थी को उस वर्ष/पार्ट की परीक्षा में उत्तीर्ण समझा जायेगा और अगले वर्ष/पार्ट में प्रोमोट किया जा सकेगा । इस पाठ्यक्रमों में उत्तीर्णता के लिये सभी पत्रों में कम से कम 33% अंक प्राप्त करना आवश्यक है । उपर्युक्त रूप से निर्धारित प्रतिशत प्राप्तांकों की गणना प्रत्येक पत्र की लिखित परीक्षा तथा सत्रीय कार्य में प्राप्त कुल अंकों को जोड़कर की जायेगी । इसी प्रकार सभी पत्रों में अंकों की गणना की जायेगी, परन्तु यदि किसी पत्र के लिखित परीक्षा अथवा सत्रीय-कार्य में शून्य अंक प्राप्त होता है तब उस पत्र में अनुत्तीर्ण समझा जायेगा । एक भी पत्र में अनुत्तीण होने का अर्थ यह होगा कि वह विद्यार्थी उस पार्ट की परीक्षा में अनुत्तीर्ण समझा जायेगा और उसे फिर से परीक्षा देनी होगी तथा सत्रीय कार्य जमा करना होगा । अत: विद्यार्थियों को पूरी सतर्कता से लिखित परीक्षा तथा सत्रीय-कार्य की तैयारी करनी चाहिये जिससे कि दोनों का अंक मिलाकर वे प्रत्येक पत्र में उत्तीर्णता प्राप्त कर सकें और इस प्रकार अगले पार्ट में प्रोमोशन के योग्य हो जायें । पत्रों का विवरण निम्नवत है :

पत्र संख्या	पत्र का नाम	अंकों का वितरण		उत्तीर्ण होने के लिये आवश्यक न्यूनतम अंक (लिखित परीक्षा+सत्रीय कार्य
		लिखित परीक्षा	सत्रीय कार्य	
	प्रथम वर्ष			
1.	मगही साहित्य के इतिहास (आरंभ से काल खंड विभाजन तक)	80	20	33
2	मगही प्रबंध काव्य	80	20	33
3	मगही गीतिकाव्य	80	20	33
4	नयकी मगही कविता	80	20	33
5	मगही के उपन्यास साहित्य	80	20	33
6	मगही के नाट्य-साहित्य	80	20	33
7	मगही के कहानी साहित्य	80	20	33
8	प्राचीन एवं मध्यकालीन मगही के काव्य (सिद्ध साहित्य आउ भक्ति साहित्य)	80	20	33
	कुल	**640**	**160**	**264**

	द्वितीय वर्ष			
9	मगही के निबंध साहित्य	80	20	33
10	मगही गद्य के अन्य विधायें	80	20	33
11	मगही साहित्य के इतिहास (आधुनिक स्वरूप)	80	20	33
12	मगही भाषा के उद्‌भव आउ विकास	80	20	33
13	भाषा विज्ञान : सिद्धान्त	80	20	33
14	काव्य शास्त्र	80	20	33
15	समालोचना	80	20	33
16	लोक साहित्य आउ सामूहिक परिचयी	80	20	33
	कुल	**640**	**160**	**264**